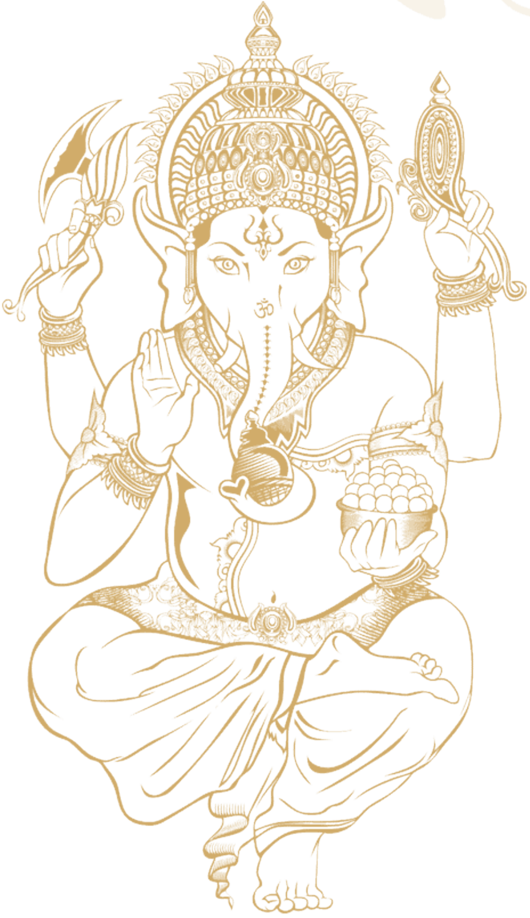

Vivashwan

08 Apr 2022

11:54 AM

Shillong

Model: web-freekundliweb

Order No: 121869102

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**08/04/2022**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**11:54:00 घंटे**
इष्ट	16:47:05 घटी
स्थान	**Shillong**
राज्य	Meghalaya
देश	India

अक्षांश	25:35:00 उत्तर
रेखांश	91:53:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:37:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:31:32 घंटे
वेलान्तर	-00:01:55 घंटे
साम्पातिक काल	01:37:32 घंटे
सूर्योदय	05:11:10 घंटे
सूर्यास्त	17:41:59 घंटे
दिनमान	12:30:49 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	24:14:35 मीन
लग्न के अंश	07:50:12 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**आर्द्रा - 2**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	अतिगण्ड
करण	वणिज
गण	मनुष्य
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	घ-घनश्याम
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	07:50:12	311:42:57	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	केतु	---
सूर्य			मीन	24:14:35	00:59:00	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	मित्र राशि
चंद्र			मिथु	13:10:38	11:50:02	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	बुध	मित्र राशि
मंगल			कुंभ	00:38:59	00:45:20	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	सम राशि
बुध		अ	मीन	29:59:34	02:04:49	रेवती	4	27	गुरु	बुध	शनि	नीच राशि
गुरु			कुंभ	28:49:23	00:13:48	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	सूर्य	सम राशि
शुक्र			कुंभ	08:39:51	01:04:48	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	मित्र राशि
शनि			मक	28:30:50	00:05:03	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	स्वराशि
राहु			मेष	28:50:15	00:01:19	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	मंगल	शत्रु राशि
केतु			तुला	28:50:15	00:01:19	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	सूर्य	सम राशि
हर्ष			मेष	19:06:21	00:03:13	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	राहु	---
नेप			कुंभ	29:39:51	00:02:07	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	चंद्र	---
प्लूटो			मक	04:19:23	00:00:37	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
दशम भाव			मेष	02:07:24	--	अश्विनी	--	1	मंगल	केतु	शुक्र	--

व - वक्री   स - स्थिर

अ - अस्त   पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:09:51

लग्न-चलित

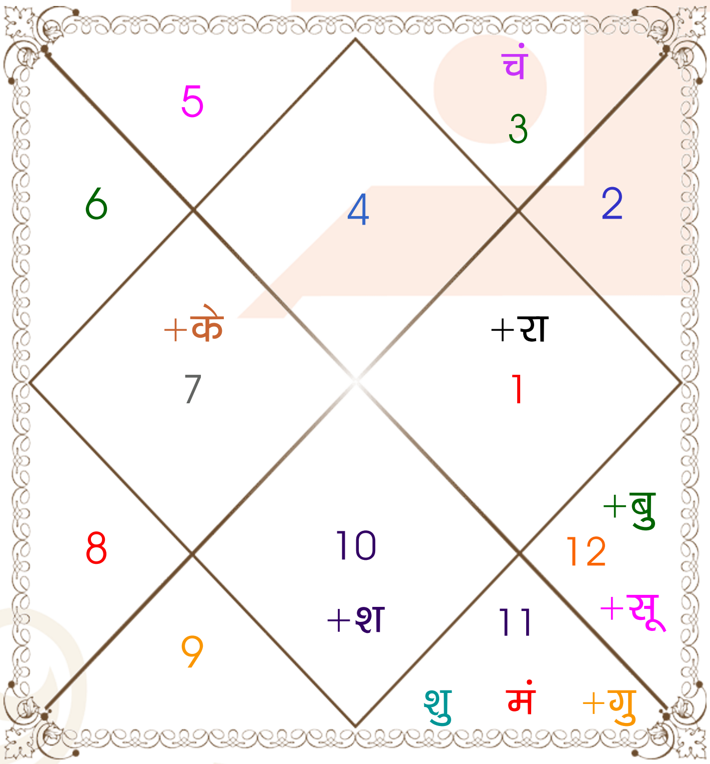

चन्द्र कुंडली

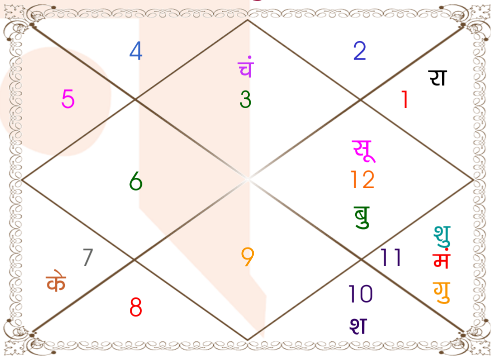

नवमांश कुंडली

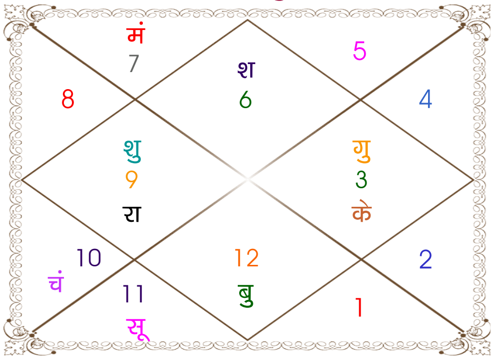

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 9 वर्ष 2 मास 16 दिन

राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष
08/04/2022	24/06/2031	24/06/2047	24/06/2066	24/06/2083
24/06/2031	24/06/2047	24/06/2066	24/06/2083	24/06/2090
00/00/0000	गुरु 11/08/2033	शनि 27/06/2050	बुध 20/11/2068	केतु 20/11/2083
00/00/0000	शनि 23/02/2036	बुध 06/03/2053	केतु 17/11/2069	शुक्र 20/01/2085
08/04/2022	बुध 31/05/2038	केतु 15/04/2054	शुक्र 17/09/2072	सूर्य 27/05/2085
बुध 24/12/2023	केतु 07/05/2039	शुक्र 15/06/2057	सूर्य 24/07/2073	चंद्र 26/12/2085
केतु 10/01/2025	शुक्र 05/01/2042	सूर्य 28/05/2058	चंद्र 24/12/2074	मंगल 25/05/2086
शुक्र 11/01/2028	सूर्य 24/10/2042	चंद्र 27/12/2059	मंगल 21/12/2075	राहु 12/06/2087
सूर्य 05/12/2028	चंद्र 23/02/2044	मंगल 04/02/2061	राहु 09/07/2078	गुरु 18/05/2088
चंद्र 06/06/2030	मंगल 29/01/2045	राहु 12/12/2063	गुरु 14/10/2080	शनि 27/06/2089
मंगल 24/06/2031	राहु 24/06/2047	गुरु 24/06/2066	शनि 24/06/2083	बुध 24/06/2090

शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष
24/06/2090	25/06/2110	25/06/2116	25/06/2126	25/06/2133
25/06/2110	25/06/2116	25/06/2126	25/06/2133	00/00/0000
शुक्र 24/10/2093	सूर्य 13/10/2110	चंद्र 25/04/2117	मंगल 21/11/2126	राहु 07/03/2136
सूर्य 24/10/2094	चंद्र 13/04/2111	मंगल 24/11/2117	राहु 10/12/2127	गुरु 01/08/2138
चंद्र 24/06/2096	मंगल 19/08/2111	राहु 26/05/2119	गुरु 15/11/2128	शनि 06/06/2141
मंगल 24/08/2097	राहु 13/07/2112	गुरु 24/09/2120	शनि 24/12/2129	बुध 09/04/2142
राहु 24/08/2100	गुरु 01/05/2113	शनि 25/04/2122	बुध 22/12/2130	00/00/0000
गुरु 25/04/2103	शनि 13/04/2114	बुध 25/09/2123	केतु 20/05/2131	00/00/0000
शनि 25/06/2106	बुध 17/02/2115	केतु 25/04/2124	शुक्र 19/07/2132	00/00/0000
बुध 25/04/2109	केतु 25/06/2115	शुक्र 24/12/2125	सूर्य 24/11/2132	00/00/0000
केतु 25/06/2110	शुक्र 25/06/2116	सूर्य 25/06/2126	चंद्र 25/06/2133	00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 9 वर्ष 2 मा 12 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुष्यनक्षत्र के द्वितीय चरण में कर्क लग्नोदयकाल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्न के साथ-साथ कन्या का नवांश एवं कर्क राशि का द्रेष्काण का भी उदय हुआ था। इस जन्म की आकृति से यह स्पष्ट होता है कि आपका जीवन आशानुरूप फलदायी होगा।

आप विश्वासी विलक्षण बुद्धि के कठिन परिश्रमी एवं दृढ़निश्चयी प्राणी है। आप निःसन्देह धन प्राप्ति के आकांक्षी हैं। परन्तु इसका अर्थ नहीं कि आप विश्वशघाती हैं। क्योंकि आप कभी भी किसी के साथ धोखा धड़ी अथवा कपटपूर्ण व्यवहार नहीं करेगें। आप मनोयोग पूर्वक, कठिन श्रम करके यथेष्ठ धन सम्पत्ति उपार्जित करेंगे। आप आर्थिक रूप से श्रेष्ठ सौभाग्यशाली हैं। आप सदैव (एक समान) यात्रा करके अनेक तीर्थस्थल का परिदर्शन करेंगे। आप आस्तिक हैं तथा आपको पूर्ण विश्वास है कि ईश्वर सर्वशक्तिमान है। आप धर्म ग्रन्थों का अध्ययन कर धर्म के सम्बंध में पूर्ण ज्ञान प्राप्त कर सार्वजनिक सेवक के रूप में प्रस्तुत रह कर, सेवा कर्म करेंगे।

आप पूर्णरूपेण आश्वस्त हैं कि आप धर्म मार्ग पर चलकर, विश्व में सफलता प्राप्त करेंगे। आप 36 वें वर्ष से बहुत बड़े भाग्यशाली होंगे।

आप गौरवर्ण के लम्बे दीर्घकाय प्राणी होंगे। आपके शरीर का उपरी भाग निचले भाग की अपेक्षा बहुत उन्नत एवं प्रभावशाली होगा। आपकी आकृति (स्वरूप) विस्तृत बड़ा मुँह, सुन्दर दाँतों से परिपूर्ण होगा।

बल्कि आपके जीवन के प्रारम्भ में कुछ दिनों तक आप शारीरिक रूप से सर्वोत्कृष्ट हो जाएंगे। परन्तु जीवन में एक लघु व्यवधान विद्यमान रहेगा। क्योंकि आपका क्षणिक उद्वेग एवं तनावपूर्ण मानस संभवतः हिस्टिरिया, मूर्छा एवं बेहोशीपन रोग को आमंत्रित कर सकता है। इसके विरुद्ध गम्भीर रूप से आपको सतर्कता बरतनी होगी। इसके अतिरिक्त आपको खान-पान पर भी नियंत्रण रखना पड़ेगा। क्योंकि आप अधिक भोजन करने वाले पेटू प्राणी हैं। आपको हर दशा में मध्यपान के उपयोग एवं लालच से बचना होगा।

आपका मैत्री का क्षेत्र विस्तृत होगा। वे लोग आपका सामान्य प्रतिभात्मक मनोवृत्ति के अनुरागी अर्थात् प्रशंसक होंगे। वे लोग हर दशा में आपको सहयोग एवं समर्थन प्रदान कर, आपके सुन्दर जीवन के प्रति शुभकांक्षी रहेंगे।

आप में बहुत सुन्दर गुण विद्यमान है अर्थात् विश्वसनीय, सतर्क तत्पर एवं कर्मठ कार्य कर्त्ता हैं। आप अविश्वसनीयता को त्याग कर लोगों के साथ अच्छा व्यवहार करेंगे। ऐसा संभव है कि आप आंशिक परिवर्तित होकर उत्तम मार्ग के अनुगामी होंगे।

आप अपनी पत्नी के प्रति पूर्णतः समर्पित व्यक्ति है। परन्तु आप परिवार नियोजन में विश्वास नहीं करते हैं। आप निःसन्देह अपनी पत्नी से प्यार करते हैं। परन्तु आप घरेलू मामलों में कोई हस्तक्षेप करना नहीं चाहते ताकि अपनी पत्नी के साथ कोई गलती न हो जाए।

आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप उत्तेजनात्मक प्रवृति का परित्याग कर दें। अन्यथा परिणाम स्वरूप घर परिवार में अनुपयुक्त वैमनस्यता हो सकता है। यदि आपको अपनी पत्नी के सम्बंध में विचार करना हो तो यह देखें कि उसका जन्म लग्न या राशि वृश्चिक या मीन हो तो समझ ले कि आप उस लड़की के साथ सामंजस्य स्थापित कर सकते हैं।

सामन्यतया कर्क राशि प्राणी की प्रवृति एवं कार्यकलाप व्यवसायिक होती है। इनके लिए व्यवहारणीय पेशा वृत्ति नौसेना, जहाजरानी कार्य, सिंचाई, नहर एवं पुल निर्माण विभाग आदि अनुकूल होते हैं। ये स्वनिर्मित आत्मावलम्बी प्राणी होते हैं। यदि ये चाहें तो अपनी प्रतिष्ठा का विस्तार कर विश्वसनीय मंत्री या एक प्रशासनिक पदाधिकारी तक हो सकते हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आपके लिए क्रीम, श्वेत, पीत एवं लाल रंग का व्यवहार उत्तम है परन्तु, हरा एवं ब्लू रंग सर्वथा त्यागनीय है। आपके लिए अंक 4 एवं 6 अंक अनुकूल है जबकि अंक 3 एवं 5 अंक अनुपयुक्त हैं।